Raj Express (Indore), 18th December 2025, Page- 04

नवाचार

इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स के लिए सर्टिफिकेशन प्रोग्राम और एक एक्जीक्यूटिव मास्टर प्रोग्राम शुरू करने की योजना

नए सत्र से आईआईटी शुरू करने जा रहा नया एमटेक प्रोग्राम

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर जुलाई 2026 से शुरु होने वाले अंगले शैक्षणिक वर्ष से केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में एक नया एमटेक प्रोग्राम शुरु करने जा रहा है। यह विभाग अभी केमिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. और पीएचडी प्रोग्राम ऑफर करता है। जुलाई से शुरू होने वाले अगले शैक्षणिक वर्ष से केमिकल प्रोसेस डिजाइन एंड इंटेलिजेंस में एम.टेक. प्रोग्राम शुरू करेगा। इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स के लिए सर्टिफिकेशन प्रोग्राम और एक एक्जीक्यूटिव मास्टर प्रोग्राम शुरू करने की योजनाएं भी चल रही हैं।

भावी प्रशिक्षुओं व पीएचडी शोधकर्ताओं के लिए अवसरों की बात:

दरअसल आईआईटी इंदौर के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में मालवा केमिकल कॉन्क्लेव-2025 का समापन हुआ। कॉन्क्लेव के माध्यम से केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के भावी प्रशिक्षुओं और पीएचडी शोधकर्ताओं के लिए अवसरों पर भी बात की गई। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के स्टूडेंट चैप्टर के सक्रिय सहयोग से आयोजित, इस कॉन्क्लेव से मालवा क्षेत्र में केमिकल इंजीनियरिंग और संबद्ध क्षेत्रों को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षाविदों, उद्योग और नीतिगत हितधारकों के बीच सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

कॉन्क्लेव में इंडस्ट्री लीडर्स और पॉलिसी रिप्रेजेंटेटिव्स शामिल थे। कॉन्क्लेव से एक लगातार चलने वाली सहयोगी गतिविधि की शुरुआत की गई, जो शैक्षणिक सटीकता को मालवा क्षेत्र की असली औद्योगिक जरूरतों के साथ जोड़ता है और स्थानीय चुनौतियों को विश्वस्तर पर प्रासंगिक इंजीनियरिंग समाधानों में बदलता है।

तकनीकी रूप से सशक्त भारत के दृष्टिकोण में योगदान

प्रोफेसर सुहास जोशी, निदेशक, आईआईटी इंदौर ने कहा, मालवा केमिकल कॉन्क्लेव शैक्षणिक उत्कृष्टता को सार्थक औद्योगिक और सामाजिक प्रभाव में बदलने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शिक्षाविदों, उद्योग और नीति निर्माताओं के बीच सहयोग को मजबूत करके, हम 'विकसित भारत' के तहत एक आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सशक्त भारत के दृष्टिकोण में योगदान दे रहे हैं। इस दौरान एक्सपर्ट मेघदीप अग्रवाल, कपिल जाट, अर्पित जैन, शुभांजलि उमराव आदि शामिल थे। उद्योग से जुड़ी चुनौतियों, उभरते अवसरों और 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय परिकल्पना को आगे बढ़ाने में स्टैंडर्ड्स, इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी की भूमिका पर गहराई से चर्चा हुई।